GEOGRAPHERS TODAY
Yearly Referred & Peer Reviewed Journal
ISSN No.
Vol.- 01 No.1 Issue - Jun-2026

कोटा विकास खण्ड (जिला बिलासपुर) में स्वच्छता अभियानः ग्राम नेवसा के विशेष सन्दर्भ में

डॉ. पी.एल. चन्द्राकर
भूगोल विभाग, सी. एम.डी.कॉलेज
बिलासपुर (छ.ग.)

1. स्वच्छता अभियान एक परिचय –

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भारत की स्वतंत्रता से पहले अपने समय के दौरान ''स्वच्छता आजादी से अधिक महत्वपूर्ण है'' कहा था। उन्होंने भारत के लोगों को साफ–सफाई और स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन में शामिल करने पे बहुत जोर दिया था। हांलाकि लोगों की कम रूचि के कारण असफल रहा। गांधी जी की इसी सपना को साकार करने भारत सरकार 2 अक्टूबर 2014 से 'स्वच्छ भारत अभियान' (Clean India Mission) आरम्भ की है। इस राष्ट्रीय अभियान में ग्राम एवं नगर में शौचालय निर्माण, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता कार्यक्रमों को बढ़ावा देना, गलियों व सड़कों की सफाई, देश की बुनियादी ढांचे को बदलना आदि शामिल है।

इस अभियान के पूरा होने का लक्ष्य 2 अक्टूबर 2019 है जो गांधी जी की 150 वी जयन्ती है। यह भारत के सभी नागरिकों के लिए एक बड़ी चुनौति है। यह तभी सम्भव है जबकि भारत में रहने वाला हर व्यक्ति इस अभियान के लिए अपनी जिम्मेदारी को समझे और इसे सफल मिशन बनाने के लिए एक साथ होकर पूरा करने की कोशिश करें। भारत के प्रधानमंत्री ने हर भारतीय को 100 घंटे प्रति वर्ष स्वच्छता के लिए समर्पित करने के लिए अनुरोध किया है तथा देश के महान हस्तियों को इससे जोड़कर ब्रैन्ड एम्बेस्डर्स का भी चुनाव किया जिनको स्वच्छ भारत को अलग–अलग क्षेत्रों में प्रारम्भ और प्रोत्साहित करने की जिम्मेदारी दी है।

ग्रामीण क्षेत्रों को स्वच्छ बनाने के लिए सन् 1999 में भारतीय सरकार द्वारा निर्मल भारत अभियान (जिसको पूर्ण स्वच्छता अभियान भी कहा जाता है।) की स्थापना की गई थी लेकिन अब इसका पुर्नगठन स्वच्छ भारत अभियान के रूप में किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को खुले में शौच करने की मजबूरी से रोकना है। इसके लिए सरकार ने 11 करोड़ 11 लाख शौचालयों के निर्माण के लिये एक लाख चौंतीस हजार करोड़ की राशि खर्च की योजना बनाई है।

2. अध्ययन क्षेत्र –

छत्तीसगढ़ राज्य के बिलासपुर जिले में कोटा विकास खण्ड का विस्तार मध्यवर्ती भाग में है। ग्लोब पर यह विकास खण्ड 22.09′ से 22.36′ उत्तरी अंक्षांश एवं 81.48′ से 82.18′ पूर्वी देशान्तर के मध्य है। इसका कुल क्षेत्रफल 879.86 वर्ग कि.मी. है तथा सन् 2011 की जनगणनानुसार कुल जनसंख्या 228358 थी जिसमें से 81.15ः (185317) जनसंख्या 165 गांव व 101 पंचायत में निवास

ISSN No.
Vol.- 01 No.1 Issue - Jun-2026

करते है। यहां की जनसंख्या 45556 परिवारों में विभाजित है। कुल जनसंख्या में से 45.16 प्रतिशत जनसंख्या अनुसूचित जनजाति वर्ग की है। कुल जनसंख्या में से 66.65 प्रतिशत साक्षर है जिसमें पुरूष साक्षरता 79.36 प्रतिशत एवं स्त्री साक्षरता 54.62 प्रतिशत है।

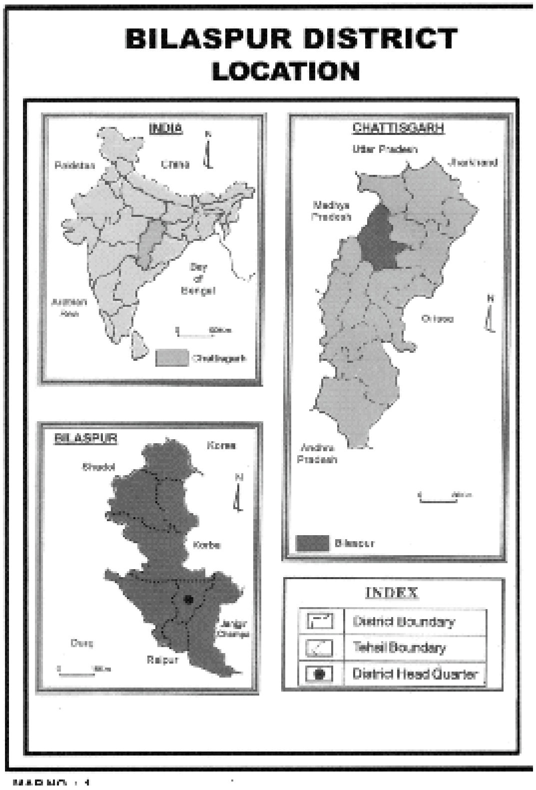

इस विकास खण्ड का 75 प्रतिशत भाग पहाड़ी पठारी व सधन वनाच्छादित है और अधिकांश भाग सुंरक्षित वन (RF) के अन्तर्गत आता है जो अचानकमार अभयारण्य का भाग है जहां बैगा, भैना, धनवार, गोड़, बिंझवार आदि जनजातियां बिखरे बस्तियों में रहते है।

ग्राम नेवसा कोटा विकास खण्ड के पटैता पंचायत का आश्रित ग्राम है। यह ग्राम कोटा शहर से 6 कि.मी. दूर अचानक मार्ग पर स्थित है। ग्राम का कुल क्षेत्रफल 2.33 वर्ग कि.मी. है तथा सन् 2011 की जनगणनानुसार कुल जनसंख्या 979 थी, जो 232 परिवारों में रहते है। ग्राम का कुछ भाग अचानकमार अभयारण्य बफर जोन में स्थित है। ग्प्रम का अधिकांश भाग पहाड़ी व वनाच्छादित है।

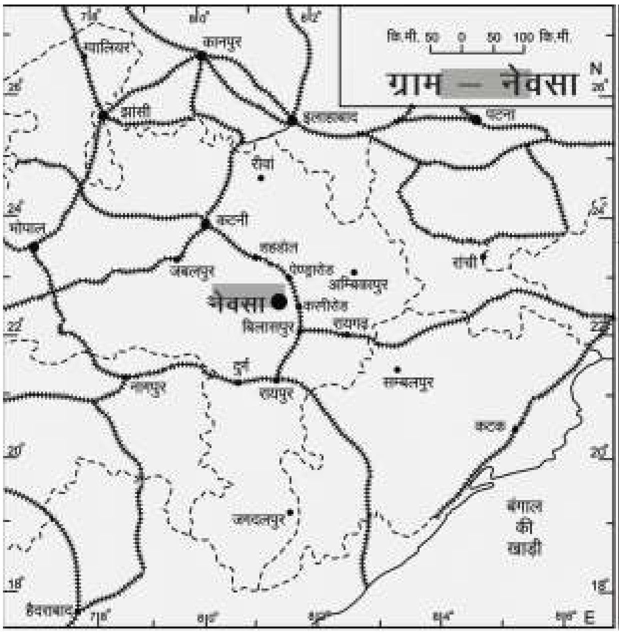

ग्राम की कुल जनसंख्या में से 63.20 प्रतिशत जनसंख्या अनुसूचित जनजाति (ST) है। यहां की प्रमुख अनुसूचित जनजाति बैगा, धनवार, भैना एवं गोड़ है। पिछड़े वर्ग में यादव जाति के लोग निवास करते है। यहां की मुख्य बस्ती सघन है जहां गोड़ और यादव लोग निवास करते है। शेष परिवार बिखरी बस्ती में अलग अलग टोले में रहते है। ग्राम की कुल जनसंख्या में से 60.62 प्रतिशत लोग साक्षर है जिसमें से 74.11 प्रतिशत पुरूष एवं 47.38 प्रतिशत स्त्री साक्षर है। प्रति हजार पुरूषों में स्त्रियों का औसत 1022 है। ग्राम को सत्र 2012–2013 में शासन द्वारा निर्मल ग्राम का पुरस्कार प्रदान किया गया है।

ISSN No.
Vol.- 01 No.1 Issue - Jun-2026

3. अध्ययन का उद्देश्य –

प्रस्तुत शोध अध्ययन का मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित है–

1. ग्राम में शौचालय विहिन एवं शौचालय वाले परिवारों की गणना करना।
2. खुले में शौच कितने परिवार नहीं करते, इसका पहचान करना।
3. ग्राम में कितने परिवार शौचालय का उपयोग नही करते उसके कारणों का पता लगाना।
4. ग्राम में स्वच्छता के प्रति अभिरूची एवं जागरूकता का मूल्यांकन।
5. ग्राम में स्वच्छता अभियान के सफलता के मार्ग में बाधक कारको का पता लगाना और स्वच्छता के विकास के लिए आयोजन प्रस्तुत करना।

4. अध्ययन प्रविधि–

प्रस्तुत शोध अध्ययन प्राथमिक ऑकड़ों पर आधारित है। शोधकर्त्ता स्वतः ग्राम में 21 दिन ठहकर प्रत्येक परिवार से व्यक्तिगत संपर्क कर स्वच्छता की स्थिति उसके प्रति अभिरूची शौचालयों की संख्या,उसकी दशा, निर्माणकर्ता एजेन्सी आदि बातों की प्रश्नावली तैयार कर आंकड़ा संग्रह किया है। आवश्यकता अनुरूप फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी की गई है। तथ्यों का पता लगाने सरकारी अधिकारी, सरपंच, पंच, अनुभवी व्यक्ति, ग्राम में एन.एस.एस. शिविर लगाने वाले इकाई के स्वयं सेवकों से संपर्क किया गया है।

शोध अध्ययन की पूर्णता के लिए द्वितीयक ऑकड़े जैसे मानचित्र, जनगणना पुस्तिका आदि से प्राप्त किये गये है एवं तथ्यों का विश्लेषण काई वर्ग सांख्यिकी विधि द्वारा किया गया है।

5. शोध परिकल्पना –

प्रस्तुत शोध पत्र में निम्नलिखित शोध परिकल्पना की जांच की गई है–

1. संदर्भ ग्राम को 2012–2013 में निर्मल ग्राम का पुरस्कार दिया गया है अतः यहां शत प्रतिशत परिवार के पास शौचालय होगा।
2. ग्राम में जिन परिवारों के पास शौचालय है वे परिवार खुले में शौच नहीं जाते होगें।

6. ग्राम में शौचालय निर्माण एवं उसका उपयोग –

ग्राम नेवसा में सत्र 2003–2004 से ग्राम पंचायत के माध्यम से शासन शौचालय निर्माण कर रही है। शासन ग्राम में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों एव मनरेगा जाब कार्ड रखने वाले परिवारों के लिये निःशुल्क शौचालय निर्माण करा रही है। ग्राम को सत्र 2012–2013 में शासन द्वारा निर्मल ग्राम घोषित किया गया और निर्मल ग्राम होने का पुरस्कार दिया गया।

सरकार की नारा 'एक कदम स्वच्छता की ओर' को ध्यान में रखकर इस वर्ष एन.एस.एस. इकाई सी.एम.डी. महाविद्यालय बिलासपुर सात दिवसीय शिविर आयोजित किया। शिविर के माध्यम से ग्रामवासियों को स्वच्छता का संदेश दिया तथा इन छात्रों एवं शिक्षकों ने जेब खर्च से ग्राम में 12

ISSN No.
Vol.- 01 No.1 Issue - Jun-2026

शौचालय निःशुल्क निर्माण किया।

समाज सेवी संस्था वर्ल्ड विजन बिलासपुर शाखा ग्राम को गोद लेकर ग्राम के सभी परिवारों के लिए निःशुल्क कुडादान (वेस्ट मेनेजमेंट) ट्यूब वेल, स्कूल भवन, हेण्डपम्प तथा स्कूल भवन में शौचालय बनवाया है।

समाज सेवी जन सहयोग संस्थान (जे. एस.एस.) गनियारी बिलासपुर में स्थित अस्पताल और वहां के डॉक्टर ग्राम को विगत कई वर्षो से निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा प्रदान कर रही है। संन्दर्भित ग्राम में स्वच्छता अभियान से संलग्न शासकीय एवं समाज सेवी संस्थान निम्न सारणी क्र.–1 में दर्शाया गया है।

सारणी क्र. 1

ग्राम नेवसा : स्वच्छता अभियान में संलग्न संस्थान

क्र.	संस्थान	कार्य
अ	शासकीय संस्थान	
1.	बालक आश्रम	छात्रों को स्वच्छता की शिक्षा
2.	प्राथमिक शाला	छात्र / छात्रा को स्वच्छता की शिक्षा
3.	आंगन बाड़ी केन्द	बच्चों को स्वच्छता की शिक्षा
4.	गप्रम पंचायत विभाग	निःशुल्क शौचालय,नाली,सड़क निर्माण
5.	पी .एच. ई. विभाग	नल जल की सुविधा
6.	स्वास्थ्य विभाग	उपचार एवं स्वच्छता की शिक्षा
7.	कृशि विभाग	उन्नत एवं जैविक कृशि की शिक्षा
8.	वन विभाग	रोजगार मुहैया कराता है
9.	आदिवासी विकास विभाग	पिछड़े वर्ग के लोगो को सहायता
10.	एन.एस.एस.	शिविर के माध्यम से जागरूकता रैली
	नाटक,व्याख्यान प्रोजेक्ट कार्य	
11.	डी.डी.न्यूज एवं रेडियो	स्वच्छता की विज्ञापन
ब.	समाज सेवी संस्था	
1.	जे. एस.एस. गनियारी	निःशुल्क स्वास्थ सुविधा
2.	वर्ल्ड विजन बिलासपुर	स्कूल भवन,कूड़ा दान निर्माण
	पानी की सुविधा	

ग्राम नेवसा निर्मल गप्रम घोषित किया गया है। यहां कितने परिवार के पास शौचालय की सुविधा है और कितने परिवार के पास शौचालय की सुविधा नही है इसका विवरण निम्न सारणी क्र–2 एवं आरेख क्र. 2 में दर्शाया गया है–

ISSN No.
Vol.- 01 No.1 Issue - Jun-2026

सारणी क्र. 2

ग्राम नेवसा : सर्वेक्षण से प्राप्त शौचालय,सम्बंधी विवरण

क्र.	विवरण	संख्या	प्रतिशत में
1.	कुल परिवार	256	100
2.	शौचालय वाले परिवार	50	19.5
3	अधूरे शौचालय निर्माण वाले परिवार	95	37.10
4	शौचालय विहिन परिवार	111	43.36
5	शौचालय का उपयोग करने वाले परिवार	10	3.90

स्रोत : प्रतिदर्श सर्वेक्षण दिसम्बर, 2015

निम्न सारणी शौचालय से स्वच्छता का विवरण है–

सारणी क्र. 3

क्र.	विवरण	संख्या	प्रतिशत
1	हां	10	20.00
2	नहीं	40	80.00
	योग	50	100.00

स्रोत : प्रतिदर्श सर्वेक्षण दिसम्बर, 2015

शौचालय होने से खुले में शौच की रोकथाम की जाच काई वर्ग (x^2) परीक्षण द्वारा किया गया है–

सारणी क्र. 4

ग्राम नेवसा : शौचालय से खुले में प्रवृत्ति की रोकथाम काई वर्ग परीक्षण

स.क्रं	विवरण	Oi	Ei	Oi-Ei	$(Oi-Ei)^2$	$(Oi-Ei/Ei)^2$
1	हां	10	25	.15	225	225/25 = 9
2	नहीं	40	25	15	225	225/25 = 9
	योग	50				**x^2 =18.00**

D.O.F = (N-1) = (2-1) = 1

Test at 5% Level of Significance – 3.841

Table Value = 3.841

Calculated Value = 18.00

Calculated X^2 18.00 is greater than Table Value X^2 3.841 of at 5% Level thus null hypothesis fails.

ISSN No.
Vol.- 01 No.1 Issue - Jun-2026

विगत 10–12 वर्षो के अथक प्रयास के बाद ग्राम के कुल 256 परिवारों में से मात्र 10 परिवार (3.90 प्रतिशत) शौचालय का उपयोग करते है अर्थात नौ दिन चले अढ़ाई कोस वाले कहावत यहां चरितार्थ होता है।

ग्राम में अब तक शासन एवं एन. एस.एस. सी.एम.डी. कॉलेज बिलासपुर, वर्ल्ड विजयन बिलासपुर, एवं निजी खर्च से कुल 145 परिवारों के पास शौचालय है जिसमें से 95 (65.52 प्रतिशत) अधूरे बनाये गये (छायाचित्र) है। इनमें से अधिकांश शौचालय प्लिन्थलेवल तक बने है तथा कुछ का दिवार खड़ा किया गया है जिसमें छत एवं दरवाजा नहीं है।

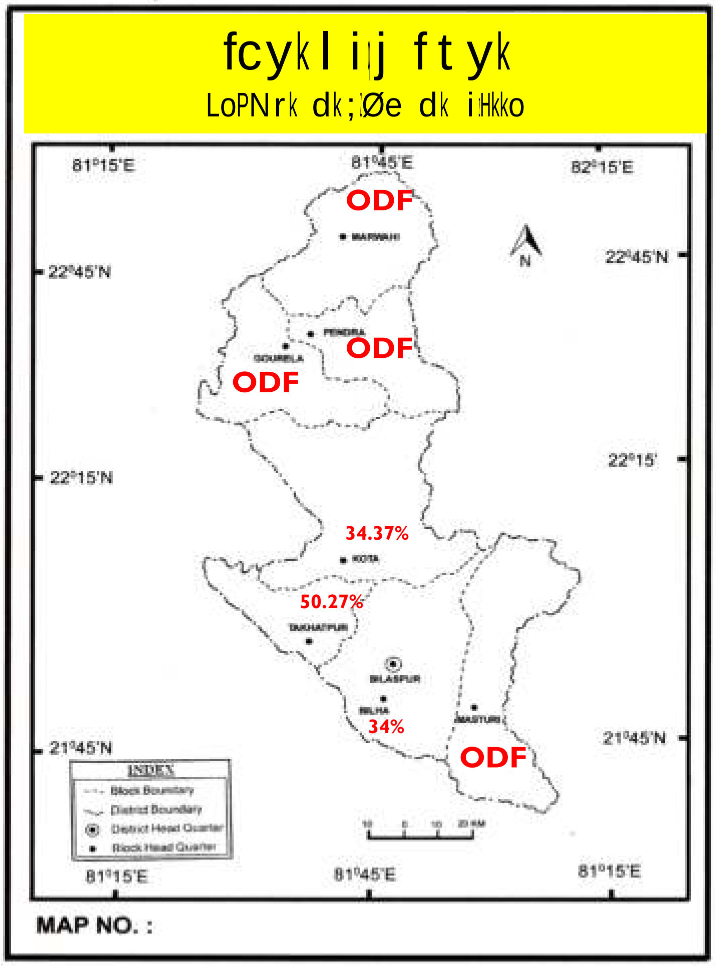

ग्राम में जिन परिवारों के पास पूर्ण बने शौचालय है उनमें से (96.10प्रतिशत) परिवार आज भी खुले में शौच करने जाते है और अपने शौचालयों में उपयोगी अनुपयोगी सामग्री भण्डारण (स्टोर) करके रखे (छायाचित्र) है।

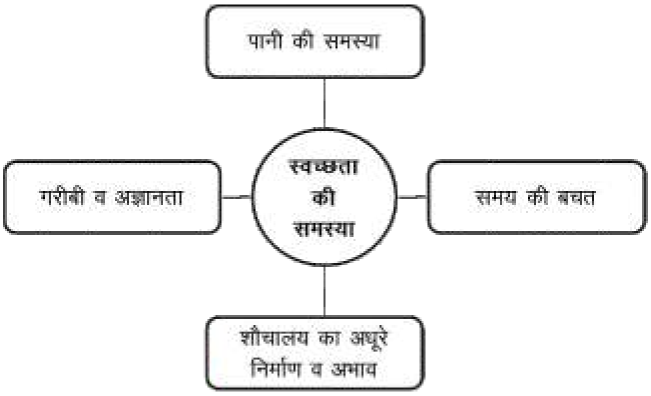

ग्राम में अधिकतर परिवार शौचालय का उपयोग इसलिए नहीं करते है क्योंकि पानी की समस्या है। अधिकतर परिवार तालाब में स्नान व निस्तारी करते है। उसी के आस पास लोटा लेकर कम पानी व कम समय में शौच व स्नान कर लेते है। ग्राम के बच्चे कही भी शौच कर लेते है।

ग्राम में किसी परिवार के लिए निःशुल्क शौचालय बनवाये तो न तो वे खुशी महसूस करते और न ही श्रम का सहयोग देना चाहते है।

ग्राम में निजी खर्च से शौचालय बनवाने वाले परिवार, शौचालय का नियमित उपयोग करते है, जिनके घरों में जल स्त्रोत की सुविधा भी है।

7. समस्याएं –

ग्राम नेवसा में विगत 10–12 वर्षो में शासन व समाज सेवी संस्थाओं के प्रयास से कुल 56.64 प्रतिशत परिवारों के लिए शौचालय बनवाया गया है, जिसमें से 65.52 प्रतिशत शौचालय अधूरे बनाये गये है।

ग्राम के लोग पानी की समस्या व समय की बचत हेतु शौचालय होने के बाद भी खुले में शौच जाते है।

8. सुझाव –

1. ग्राम वासियों को शौचालय के साथ टेप नल से उपयोग हेतु पानी की सुविधा उपलब्ध कराया जाना चाहिये।
2. स्कूलों में शौचालय की सुविधा प्रदान की जायें।
3. पढ़ने वाले बच्चों को प्रतिदिन आधा घण्टा साफ–सफाई की व्यावहारिक व सैद्धांतिक शिक्षा दिया जाना चाहिये।
4. प्रतिवर्ष शौचालय का उपयोग व साफ सफाई के लिए अच्छा काम करने वाले बच्चों को प्रोत्साहन, पुरस्कार व बोनस अंक दिया जाना चाहिए ।
5. विकास खण्ड स्तर पर मोबाईल सफाई कर्मी की नियुक्ति किया जाना चाहिये।
6. शौचालय के साथ सभी परिवारों को बिजली व साफ करने की ब्रश की सुविधा प्रदान किया जाना चाहिये।
7. पहाड़ी ढ़ालों पर बसे परिवारों के लिए टीन का शौचालय घर बनाया जाना चाहिए।
8. स्वच्छता के लिए बेहतर कार्य करने वाले व्यक्ति, कर्मचारी, शिक्षक व संस्थान को प्रोत्साहित व पुरस्कृत किया जाना चाहिए।
9. जिन परिवारों के पास जाबकार्ड नही है उनके लिये भी निः शुल्क शौचालय बनाया जाना चाहिये।

संदर्भ ग्रंथ

1. जनगणना (2011) : पी.सी.ए.2207 एम.डी.डी.एस. जनगणना कार्य निदेशालय रायपुर (छ.ग.)
2. शुक्ल एस.एम. , (1994) : सांख्यिकी के सिद्धांत साहित्य, भवन आगरा (उ.प्र.) सहाय शिवपूजन
3. त्रिपाठी के. चन्द्राकर पी (2012) : छत्तीसगढ़ एटलस, एस. शारदा पब्लिकेशन बिलासपुर (छ.ग.)